an>

Title: Need to provide funds for drinking water in Banda Parliamentary Constituency of Uttar Pradesh.

श्री भैरों प्रसाद मिश्र (बांदा) : अध्यक्ष जी, मेरे संसदीय क्षेत्र बांदा-चित्रकूट के अंतर्गत पेयजल की समस्या विकट रूप धारण करती जा रही है। समय से बारिश न होने के कारण नदियों का जलस्तर घट गया है, कुओं और तालाबों में भी पानी तलहटी में पहुंच चुका है, जिसके कारण उनके माध्यम से संचालित होने वाली पेयजल योजनाएं प्रभावित हुई हैं। मानव से लेकर पशुओं तक के लिए पेयजल की भारी किल्लत हो रही है।

हजारों की संख्या में हैंडपम्प खराब पड़े हैं एवं उनकी मरम्मत नहीं की जा रही है। नये हैंडपम्प लगाने के हजारों आवेदन पत्र लम्बित पड़े हैं। संबंधित विभाग का कहना है कि हमारे पास खराब हैंडपम्पों की मरम्मत व नये हैंडपम्प लगाने के लिए धन का अभाव है। केन्द्रीय योजना के तहत पाइप लाइन द्वारा पेयजल की आपूर्ति करने के लिए चिन्हित गांवों में भी कार्य नहीं किया जा रहा है।

माननीया अध्यक्ष महोदया, मेरे क्षेत्र में बुन्देलखंड का पाठा इलाका भी आता है जहां पीने के पानी की भारी किल्लत के चलते महिलाएं सदियों से यह कहावत कहती आ रही हैं कि 'भवंरा तोरा पानी गजब कर जाए, गगरी न फूटे खसम मर जाए।' क्षेत्र में पेयजल की समस्या के दर्द को शब्दों में पिरोए यह कहावत बुन्देलखंड के उस सच की अभिव्यक्ति है कि पानी कितना अनमोल है।

अतः सदन के माध्यम से मैं भारत सरकार से मांग करता हूं कि मेरे संसदीय क्षेत्र बांदा-चित्रकूट में एक हजार तक आबादी वाले गांवों को प्रथम चरण में पाइप लाइन द्वारा पेयजल की आपूर्ति से जोड़कर राहत प्रदान की जाए।